विजेता जागो– प्रार्थना कैलेंडर जून 2023

1 **सच्चा विश्राम** - "हे परमेश्वर, अक्सर मैं बहुत दुखी और अभिभूत महसूस करता हूं और कोई स्थायी आराम नहीं है। मुझे यह जानकर बहुत आनंदित हूँ कि पवित्र आत्मा ही सच्चा दिलासा देने वाला है। मैं मानव आराम के माध्यम से दर्द को कम करने की कोशिश करना छोड़ देता हूं। मैं आपसे विनती करता हूँ कि आप मुझे अपनी आत्मा से भरें और मुझे अपनी शांति और आराम प्रदान करें। (मत्ती 5:4)

2. **अलौकिक रूप से प्यार करो**- "स्वर्गीय पिता, आप हमें एक दूसरे से प्रेम करने का निर्देश देते हैं, लेकिन प्रेम करने का मेरा प्रयास हमेशा विफल रहता है। मेरे दैहिक प्रयास विफल हो जाते हैं और अंत में स्वार्थी बन जाते हैं। मुझे एहसास है कि आप सच्चे प्रेम के स्रोत हैं। हे पवित्र आत्मा, मैं आपसे विनती करता हूँ कि मुझे भरें और मेरे द्वारा दूसरों से प्रेम करें। (रोमि 13:8-10)

3. **मसीह, मेरा जीवन**- "प्रिय परमेश्वर, मैंने वर्षों से अर्थ और महत्व की खोज की है। अब मैं जान गया हूँ कि जीवन के स्रोत के बिना यह संभव नहीं है। आप जीवन के सच्चे स्रोत हैं। अब मैं समझ गया हूँ कि जब मैंने मसीह को ग्रहण किया, तो मसीह मेरा जीवन बन गया। इसलिए, मैं अपने आप को प्रभु यीशु मसीह को सौंपता हूं। (कुलुसि 3:4)

4. **परम व्यक्ति के पास जाओ** - "प्रिय प्रभु यीशु, आप परमेश्वर के सर्वशक्तिमान पुत्र हैं - अनंत जीवन के स्रोत। मैं पहचानता हूं कि केवल आप ही हैं जिनके पास मैं जा सकता हूं। इसलिए, मैं आपको अपने जीवन के स्रोत के रूप में देखता हूं। मुझे हमेशा आपके पास जाने का कारण बनाओ। मुझे आप पर पूर्ण रूप से विश्वास करने का अनुग्रह प्रदान करें। (यूह 6:68)

5. **एक ईश्वर चेतना** - "हे परमेश्वर, कभी-कभी मेरा जीवन बहुत स्थिर नहीं होता। इसलिए, मैं अपनी स्थिरता के स्रोत के रूप में आपकी ओर मुड़ता हूं। मुझे एक ईश्वर चेतना के साथ रहने दें ताकि मैं आपकी स्थायी उपस्थिति का अनुभव कर सकूं और विश्वास और आशा के साथ जीवन की चुनौतियों का सामना कर सकूं (फिलि 4:6.7)

6. **अति-आवश्यक**- बाइबिल पूछती है, और साथ ही जवाब देती है: "आपका जीवन क्या है? आप एक धुंध की तरह हैं जो थोड़े समय के लिए प्रकट होता है और फिर विलुप्त हो जाता है" (याकूब 4.14)। प्रभु, मेरा जीवन इतना विवेकपूर्ण हो, और आपसे मिलने के लिए हमेशा तैयार रहने की स्थिति में हो। अनन्त जीवन की आशा के लिए धन्यवाद।

7. **यादें** - पुरुष अतीत की पापी यादों से जूझते हैं और ऐसे में दुश्मन आरोप लगाना चाहता है। यीशु का लहू हमें सभी अंगीकार किए गए पापों से शुद्ध करता है। यहोवा कहता है: "मैंने तेरे अपराधों को धुंध के समान

और तेरे पापों को बादल के समान मिटा दिया है। मेरी ओर फिर, क्योंकि मैं ने तुझे छुड़ा लिया है" (यशायाह 44:22)।

8. **गरिमा** - ईसाई पुरुषों के रूप में हमें एक सकारात्मक प्रभाव होना चाहिए। और यह हमारी पत्नी के साथ हमारे संबंधों में सबसे अच्छा प्रदर्शित होता है। मानक ऊंचा है। जैसे मसीह ने कलीसिया से प्रेम किया और उसके लिए अपने आप को दे दिया, वैसे ही एक पति को अपनी पत्नी से प्रेम करना और उसका सम्मान करना चाहिए (इफिसियों 5:25)। प्रभु, मेरी पत्नी के लिए धन्यवाद।

9. **दो पक्ष** - हम सब बच्चे हैं! कुछ पहले से ही माता-पिता हैं, और यहाँ तक कि दादा-दादी भी! नीतिवचन 13:1 उस बुद्धिमान पुत्र की बात करता है जो उसके पिता का निर्देश सुनता है- प्रभु, मुझे एक ऐसा पुत्र बनने में मदद करें जो आपकी शिक्षाओं को सुनता है और एक ऐसा पिता जो आपके वचन के ज्ञान को अगली पीढ़ी तक पहुँचाता है।

10. **जीवनसाथी**-क्या आपको इस बात की चिंता है कि आपके बेटे या बेटियों की शादी किससे होगी? उत्पत्ति 24 इब्राहीम की इस चिंता से संबंधित है कि उसके पुत्र को विवाह में आशीष मिले। प्रभु, आज हम अपने बच्चों के भावी जीवनसाथी के लिए मध्यस्थता करते हैं। आपकी इच्छा के अनुसार उनका विवाह सुखमय हो।

11. **तनाव**–“तू ने मुझे संकट में छुड़ाया है; मुझ पर अनुग्रह कर और मेरी प्रार्थना सुन" (भजन 4:1)। दाऊद के समान, हम प्रार्थना कर सकते हैं और परमेश्वर के सामने वह सब कुछ ला सकते हैं जो हमें परेशान करता है और जीवन को असहनीय बनाता है। वह हमारी दृष्टि को बड़ा करना चाहता है और हमारे हृदय को प्रोत्साहित करना चाहता है।

12**. प्यार करना** -"प्यार - और फिर जो आप चाहते हैं वह करें" (ऑगस्टीन)। "जो अपने पड़ोसी से प्रेम रखता है, उस ने व्यवस्था पूरी की है" (रोमि 13:8बी)। जब हम ईश्वर के प्रेम को आगे बढ़ाते हैं तो हम उस प्रकार की स्वतंत्रता, रचनात्मकता और संबंध का अनुभव करते हैं जो हमारे जीवन को समृद्ध करता है। अपने आप से पूछें, आज मैं किसके लिए कुछ अच्छा कर सकता हूँ?

13. **स्थिरता** -"मैं तुझे आशीष दूंगा, ... और इस रीति से तू आशीष का मूल होगा" (उत्पत्ति 12:2)। हमारे पास जो कुछ भी है वह परमेश्वर द्वारा हमारे आनंद के उद्देश्य से और दूसरों की भलाई करने के साधन के रूप में हमें सौंपा गया है। इस तरह से हम परमेश्वर की भरपूर आशीषों के लिए जगह बनाते हैं।

14. **छोड़ना** –इस कारण मनुष्य अपने माता-पिता को छोड़कर अपनी पत्नी से मिला रहेगा और वे एक तन होंगे” (उत्पत्ति 2:24)। स्वतंत्रता एक ऐसी शर्त जो नए रिश्ते के लिए और आत्मा और शरीर की एकता की नींव के लिए पहले ज़रूरी है। यह विवाह के लिए परमेश्वर की योजना है।

15. **संगती**- परमेश्वर धीमी आवाज़ से बोलकर आपका ध्यान आकर्षित करते हैं, और यदि आपके आस-पास बहुत अधिक शोर है तो आप उनकी आवाज कभी नहीं सुनेंगे। प्रार्थना करें कि परमेश्वर सभी परेशान करने

वाली आवाज़ों को शांत करने में आपकी मदद करे - जिससे आपके लिए उसके साथ सच्ची संगति का आनंद लेना संभव हो सके (1 राजा 19:12-13).

16. **कभी अकेला नहीं** - मसीह के अनुयायी के रूप में आपको पता है मुसीबत के समय कहाँ मुड़ें। प्रभु यीशु को उनके वादों के लिए धन्यवाद दें कि वे हमेशा आपके साथ खड़े रहेंगे, आपको कभी नहीं छोड़ेंगे और न ही त्यागेंगे। "मैं तुझे कभी न छोडूंगा, और न कभी तुझे त्यागूंगा" (इब्रानियों 13:5)।

17. **मछली पकड़ना** – अगर आप मछली पकड़ना चाहते हैं तो आपको कुछ तैयारी जरूर करनी चाहिए। यही बात लागू होती है, यदि आप मनुष्यों के एक सफल मछुआरे बनना चाहते हैं। प्रार्थना करें कि परमेश्वर आपको मनुष्यों का प्रभावी मछुआरा बनना सिखाएगा (मत्ती 4:19)।

18. **चिंतन करना** - परमेश्वर का चेहरा किसी इंसान ने कभी नहीं देखा, लेकिन यीशु के अनुयायी के रूप में आप अपने आस-पास के लोगों को उसकी चमक दिखा रहे हैं। प्रार्थना करें कि लोग परमेश्वर की महिमा की झलक आपके जीवन में देखें, और बहुत से लोग आपके जीवन से इतने प्रोत्साहित हों कि वे यीशु को अपने हृदय में आमंत्रित करने पाएं। (प्रेरितों के काम 6:15)।

19. **विश्वास**-"और विश्वास बिना उसे प्रसन्न करना अनहोना है, क्योंकि परमेश्वर के पास आनेवाले को विश्वास करना चाहिए, कि वह है, और अपने खोजनेवालों को प्रतिफल देता है" (इब्रानियों 11:6)। यीशु मसीह के द्वारा सभी को पिता के पास आने का निमंत्रण दिया जाता है। विश्वास का ऐसे पुरुष बनें जो विनम्र समर्पित दिल और इच्छा से उसे पहले स्थान पर रखता है।

20. **चरित्र**–इस संसार का राजकुमार परमेश्वर के राज्य की उन्नति के विरुद्ध धमकाता और लड़ता है। प्रभु चरित्रवान पुरुषों का सम्मान करेगा जो विश्वास में दृढ़ रहते हैं और परिवार और बाजार में बाइबिल के मूल्यों को जीते हैं। बदलाव लाओ और एक ऐसा आदमी बनो जिसके लायक दुनिया नहीं है। (इब्र 11:38)

21. **कार्य** -"इसलिए अपने मन को कार्रवाई के लिए तैयार करो, आत्मा को शांत रखो, अपनी आशा को पूरी तरह ... यीशु मसीह पर केंद्रित करो" (1पत 1:13)। प्रभु ने अपने शिष्यों से उनके लौटने तक काम करने को कहा। हमें उन भले कामों में चलना चाहिए जिन्हें परमेश्वर ने पहले से तैयार किया है। अपने कार्यों के द्वारा प्रभु की महिमा करने का निश्चय करें।

22. **एकचित्तता** -"परंतु उसे बिना किसी सन्देह के विश्वास से मांगना चाहिए··· एक दुचित्त व्यक्ति अपने सब कामों में अस्थिर होता है" (याकूब 1:6.8)। जब हम उसे अपने पूरे मन से ढूंढते हैं तब परमेश्वर उत्तर देने के लिए तैयार है। यह जांचने के लिए तैयार रहें कि आपकी गहरी प्रेरणा क्या है और ऐसे मन के लिए प्रार्थना करें जो पहले उनके राज्य पर केंद्रित हो।

23. **प्रेम** –"और अब विश्वास, आशा, प्रेम, ये तीनों स्थाई हैं; पर इन में सब से बड़ा प्रेम है" (1 कुरिन्थियों 13:13)। परमेश्वर से आपको एक ऐसा पुरुष बनाने के लिए प्रार्थना करें जो खोए हुए की तलाश करता है, जो

कमजोरों की रक्षा करता है, और जो सही है उसके लिए एक योद्धा है, और जो सब बुराई का विरोध करे। इस तरह आप मसीह के प्रेम को अपने द्वारा प्रवाहित होने देते हैं।

24. **कष्ट** –“थोड़ी देर के लिए तुम्हारे दुख सहने के बाद, सारे अनुग्रह का परमेश्वर, जिसने तुम्हें मसीह में अपनी अनन्त महिमा के लिए बुलाया है, वह स्वयं तुम्हें पूर्ण, दृढ़ और स्थापित करेगा। (1पत 5:10)। उन बहुत से मसीहियों के लिए प्रार्थना करें जो प्रभु में मजबूत रहने के लिए उच्च स्तर के उत्पीड़न का सामना करते हैं।

25.**प्रार्थना**–"एक धर्मी व्यक्ति की प्रभावी प्रार्थना बहुत कुछ कर सकती है" (याकूब 5:16बी)। परमेश्वर ने हमें विश्व परिवर्तक बनने के लिए प्रार्थना दी है। आपके लिए प्रार्थना करें कि आप वह मनुष्य बनें जो परमेश्वर चाहता है कि आप बनें। अपने परिवार और समुदाय के लिए उसकी आशीष का साधन बनें । परमेश्वर से महान चीजों की अपेक्षा करें क्योंकि वह सर्वशक्तिमान है!

26. **बुद्धि** –"पर यदि तुम में से किसी को बुद्धि की घटी हो, तो परमेश्वर से मांगे, जो उदारता से सब को देता है" (याकूब 1:5)। मित्र, इससे पहले रातों की नींद पाने के लिए और अंतहीन चर्चाओं में समय निकल जाये, अपने घुटनों को मोड़ें और यीशु के नाम से प्रार्थना करें कि जो सही है और जो परमेश्वर की नज़रों में मनभावन है उसे पहचानने के लिए ज्ञान के लिए यीशु के नाम से प्रार्थना करें। वह उत्तर देगा।

27. **ठहरने वाली शक्ति** -"परन्तु जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा, उसी का उद्धार होगा" (मत्ती 24:13)। एथलीट नियमित प्रशिक्षण के माध्यम से मांसपेशियों की ताकत विकसित करते हैं। मसीही चरित्र और ठहरने वाली शक्ति प्रभु यीशु मसीह में स्थायी विश्वास और निरंतर निर्भरता के माध्यम से विकसित होती है। इस रीति से यहोवा का आदर करो।

28. **उत्कृष्टता**–“जो कुछ भी आप करते हैं, दिल से अपना काम करें, जैसा कि प्रभु के लिए है, न कि पुरुष के लिए" (कुलि 3:23)। मसीह के एक शिष्य के पास अपनी क्षमताओं के अनुसार अपना काम करने की उच्चतम प्रेरणा होती है। एक मसीही जो अपने श्रम में मेहनती है उसका सम्मान किया जाएगा। उत्कृष्ट व्यक्ति बनें और मसीह के लिए बोलने को तैयार रहो।

29. **साहस** –"अब जब उन्होंने पतरस और यूहन्ना का हियाव देखा, ... तो जान लिया, कि वे यीशु के साथ थे" (प्रेरितों के काम 4:13)। मानवीय ज्ञान या क्षमता नहीं, बल्कि पवित्र आत्मा की परिपूर्णता मसीह के लिए जीने और बोलने का साहस प्रदान करता है। प्रभु से उसकी कलीसिया को फिर से पुनर्जीवित करने के लिए प्रार्थना करें!

30. **अनंत जीवन** –"क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखता है कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए" (यूहन्ना 3:16)। अनंत जीवन प्राप्त करें। सुसमाचार प्रचार करें! लोग नाश हो रहे हैं।